F. A. Ahmed): (a) Yes, Sir. The Committee submitted its report to the Government on the 10th May, 1967.

(b) and (c). The Report is at present under consideration of the Government. After Government have formulated its views on the recommendations in the Report, a copy of the Report, along with Government's decisions thereon, will be placed on the Table of the House.

### रेलवे दुर्घटनाएं

513. श्री मोलहू प्रसाद :
श्री रामसेवक यादव :
श्री मधु लिमये :
श्री रबि राय :
श्री जार्ज फरनेन्डीज :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री देवकी नन्दन पटोदिया :
श्री मुहम्मद इस्माइल :
श्री सु० कु० तापड़िया :
श्री गाडिलिंगन गौड़ :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, 1967 से अब तक देश में महीनेवार कितनी रेल दुर्घटनायें हुई और उनके क्या कारण थे;

(ख) उन दुर्घटनाओं में जान और माल की कितनी क्षति हुई ; और

(ग) सरकार ने इसके लिये कितनी राशि प्रतिकर के रूप में दी ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) मार्च, 1967 और अप्रैल, 1967 के महीनों में भारतीय रेलों में गाड़ियों की टक्कर, उनके पटरी से उतरने, समपारों पर गाड़ियों के सड़क यातायात से टकरा जाने और गाड़ियों में आग लगने की कोटियों में क्रमशः 83 और 91 रेल दुर्घटनायें हुई। इन दुर्घटनाओं के कारण नीचे दिये गये हैं :—

| कारण | संख्या |
|---|---|
| रेल कर्मचारियों की गलती से . | 77 |
| रेल कर्मचारियों के अलावा अन्य लोगों की गलती से . | 16 |
| यांत्रिक उपस्कर की खराबी से . | 14 |
| तोड़फोड़ और पटरी से छेड़-छाड़ के कारण . . . | 3 |
| संयोगवश . . . | 16 |
| जोड़ . | 126 |
| ऐसी दुर्घटनायें जिनके कारणों के बारे में अन्तिम निर्णय नहीं हो सका है | 48 |
| कुल जोड़ | 174 |

(ख) इन दुर्घटनाओं में 9 व्यक्ति मरे। इन 9 व्यक्तियों में से 3 व्यक्ति चौकीदार रहित समपार पर दुर्घटना में और एक व्यक्ति तोड़फोड़ की दुर्घटनाओं में/किसी भी दुर्घटना के लिए कोई रेल कर्मचारी जिम्मेदार नहीं था ।

रेल सम्पत्ति को अनुमानतः लगभग 14,19,125 रु० की क्षति हुई ।

(ग) अभी तक क्षतिपूर्ति के किसी दावे का भुगतान नहीं हुआ है ।

### Tenders for Fabrication of Steel structures

514. Shri A. B. Vajpayee:
Shri Shri Gopal Saboo:
Shri Brij Bhushan Lal:
Shri Sharda Nand:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that open tenders were invited by the Chittaran-